So, obviously, the Government is going to support them because my ultimate aim is that the benefit should reach the poorest of the poor. So. Sir, as I said, I see no reason why, in some areas of this country, they should not be donor-driven; whether it is foreign money or Indian money, money is money.

प्रतिभावान खिलाड़ियों की खोज के लिए योजना

*582. श्री राजनाथ सिंह "सूर्य" : क्या युवक कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या प्रतिभावान, खिलाड़ियो की खोज के लिए कोई योजना है,

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ग) क्या सरकार उक्त योजना के तहत अनुसूचित जनजातियों के व्यक्तियों की क्षमताओं को देखते हुए उनके लिए किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है, और

(घ) क्या सरकार ग्रामीण खेलकूद की भांति जनजातीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन अखिल भारतीय स्तर पर करने पर विचार करेगी ?

विवरण

प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए योजना

(क) जी, हां।

(ख) " राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता" की योजना के अतंर्गत 9-12 वर्ष के आयु वर्ग में आने वाले प्रतिभावान स्कूली बच्चों को पता लगाया जाता है । "परीक्षण श्रृंखला" के माध्यम से 15 खेल विधाओं में बच्चों का चयन किया जाता है और विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। चयन के पश्चात्, इन बच्चों को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा अपनाए गए 57 स्कूलों में प्रवेश दिया जाता है जहां उनके भोजन,आवास तथा शिक्षण शुल्क आदि पर होने वाला पूरा खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाता है। इसके अलावा. ग्रामीण खेल कार्यक्रमों की योजना के अतंर्गत, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की खेल चैम्पियनशिपें आयोजित की जाती हैं और प्रतिभावान खिलाड़ियों का पता लगाया जाता है और राष्ट्रीय एंव अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए आगे अनुशिक्षण एंव प्रशिक्षण देने के लिए उनका चयन किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में छुपी हुई प्रतिभा का पता लगाने के लिए उत्तर –पूर्व खेल महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

(ग) ऊपर निर्दिष्ट योजनाओं का अनुसूचित जनजाति के खिलाड़ियों सहित सभी खिलाड़ियों के लिए कार्यान्वयन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, विशेष क्षेत्र खेल (एस. ए. जी.) की योजना जो 1985 में आरम्भ की गई थी, किसी विशेष खेल के लिए लोगों के अपेक्षित शारीरिक गुणों को ध्यान में रखते हुए, आदिवासी, पहाड़ी, ग्रामीण एंव तटवर्ती क्षेत्रों से प्राकृतिक प्रतिभा का पता लगाने का कार्य करती है। आधुनिक प्रतिस्पर्धात्मक खेलों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए पता लगाई गई प्रतिभा को वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ताकि उत्कृष्टता प्राप्त की जा सके।

(घ) अखिल भारतीय जनजाति खेल प्रतियोगिता आयोजित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, उत्तर-पूर्व खेल महोत्सव का प्रत्येक वर्ष आयोजन किया जाता है जिसमें अधिकांश सहभागी जनजाति समुदाय के होते हैं।

Scheme to Spot Talented Players

*582. SHRI RAJNATH SINGH 'SURYA': Will the Minister of YOUTH AFFAIRS AND SPORTS be pleased to state :

(a) whether there is any scheme for indentifying talented players;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government are considering any proposal under the said scheme for the persons belonging to the Scheduled Tribe keeping in view their capabilities; and

(d) whether Government will consider organizing tribal sports competition on all India basis like the rural sport?

THE MINISTER OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS (SHRI SUKHDEV SINGH DHINDSA): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

Scheme to Spot Talented Players

(a) Yes, Sir.

(b) Under the scheme of 'National Sports Talent Contest' talented school children in the age of 9—12 are identified. Children are selected in 15disciplines

† Original Notice of the question was received in Hindi.

through a 'Battery of tests' and contests held at different levels. Following selection, these children are admitted in 57 schools adopted by Sports Authority of India where their board, lodging, and tuition fees etc. are met fully by the Government. Besides, under the scheme of Rural Sports Programmes District, State and National level sports championships are organised and talented sports players are spotted and selected for further coaching and training for National and International competitions. Under the scheme, North-East Sports Festival is organised to tap the hidden talent which is in abundance in the region.

(c) The schemes mentioned above are implemented for all sports persons including those belonging to Scheduled Tribes Besides, the scheme of Special Area Games (SAG) which was launched in 1985, caters to scouting of natural talent from tribal, hilly, rural and coastal areas, keeping in view the physical attributes of the people required for a particular sports. The scouted talent is imparted scientific training to meet the demands of modern competitive games and sports so as to attain excellence.

(d) There is no move to have on All India tribal sports competition. However, there is a North-East Sports Festival held every year where a majority of the participants are Tribal.

श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य' : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो विस्तार से उत्तर दिया है, उसमें यह कहा गया है कि बच्चों के चयन के लिए खेल प्राधिकरण द्वारा अब तक 57 स्कूलों में प्रवेश दिया जा रहा है । एक तो मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि ये 57 स्कूल कब से प्रारम्भ किए गए और इनकी संख्या का विस्तार करने के बारे में कोई निर्णय किया गया है कि आने वाले समय में इनकी संख्या में कोई विस्तार किया जाएगा या नहीं ?

मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह कहा है कि इनका पूरा खर्च – भोजन, आवास, शिक्षण शुल्क आदि- सरकार वहन करती है । अपने प्रश्न के दूसरे भाग के रूप में मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि कितना धन इन बच्चों पर खर्च किया जाता है और क्या यह समझा जा रहा है कि वह पर्याप्त है जितना कि बच्चों की प्रतिभा को विकसित करने के लिए खर्च किया जाना चाहिए ?

महोदय, मंत्री जी ने प्रतियोगिताओं के बारे में उल्लेख किया है । अपने प्रश्न के 'ग' भाग के रूप में मैं जानना चाहता हूं कि पहले जो विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताएं होती थीं, वे कब से नहीं हो रही है और नहीं हो रही है तो क्यों नहीं हो रही हैं तथा क्या उन प्रतियोगिताओं को फिर से प्रारम्भ करने पर विचार किया जाएगा?

श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा : यर, जहां तक सवाल के पहले भाग का ताल्लुक है, मैं बताना चाहता हूं कि 57 स्कूल हमने इस साल शुरू किए हैं – पहले 31 थे, इस साल जुलाई से हम 57 कर रहे हैं। इस साल से हमने स्कूलों की संख्या और बढ़ाई है।

दूसरे, इन स्कूलों में 50,00,000 रुपए गवर्नमेंट ऑफ इंडिया उनके इन्फ्रास्ट्रक्चर को इम्प्रूव करने के लिए देती है, उन ट्रेनीज को ऐजुकेशन, डाइट, किट आदि हम फ्री देते हैं, और

तीसरे, इसमें जो स्कूल लिए जाते हैं वे ऐसे स्कूल होते हैं जिन्हें स्टेट गवर्नमेंट रिकमेंड करती है और हम उनको ऐडॉप्ट करते हैं।

श्री राजनाथ सिंह ' सुर्य' : प्रत्येक बच्चे पर कितना व्यय करने का प्रावधान किया गया है क्योंकि एकमुश्त पैसा दिया जा रहा है और उसका खर्च कहीं और हो रहा है, ऐसी कई शिकायतें भी आती हैं। मैंने भी कई इस प्रकार के स्कूल देखे हैं जिनमें इस प्रकार की शिकायतें हैं कि बच्चों के लिए जो निर्धारित धनराशि है, उसको उन पर खर्च नहीं किया गया है।

प्रश्न के तीसरे भाग के रूप में मैंने खेल-कूद प्रतियोगिताओं के सबंधं में पूछा था, जिसके बारे में मंत्री जी ने कुछ नहीं बताया। मेरे प्रश्न के दो भागों का उत्तर तो मिला ही नहीं है।

श्री सुखदेव सिंह ढ़िडसा : आप जरा दोबारा कहेंगे।

श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य' : प्रत्येक बच्चे पर कितना व्यय किया जा रहा है, इस बारे में मैंने पूछा था और दूसरा इतने बड़े देश में केवल 57 स्कूल हैं, यह भी समझ में नहीं आया।

मैं अपना दूसरा सप्लीमेंट्री कर लेता हूं, मंत्री जी इसका उत्तर बाद में दे देंगे। महोदय, अपने उत्तर के 'ख' और 'ग' भाग में मंत्री जी ने यह कहा है कि लोगों के अपेक्षित शारीरिक गुणों को ध्यान में रखते हुए आदिवासी, पहाड़ी, ग्रामीण तथा तटवर्ती क्षेत्रों में जो प्राकृतिक प्रतिभा है, उसके अनुसार बच्चों का, खिलाड़ियों का चयन किया जाता है। मैं जानना चाहता हूं कि किसी एक क्षेत्र में, चाहे तटवर्ती, चाहे पहाड़ी, चाहे ग्रामीण अंचल हो, पिछले वर्ष कितने वर्ष कितने बच्चों का चयन किया गया था ? इस बारे में अगर मंत्री जी कुछ जानकारी दे सकेंगे तो हमें खुशी होगी।

जनजाति के जो बच्चे हैं, जिनमें खेल प्रतिभा है, उनके लिए विशेष खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन करने के सबंधं में हमने अपने प्रश्न के 'ग' भाग में जानना चाहा था, जिसका उत्तर देते हुए मंत्री जी ने कहा है कि ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। मैं माननीय मंत्री जी की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि जो संसदीय स्थाई समिति हैं उसने भी इस बात की संस्तुति की है कि जो आदिवासी बच्चे हैं उनके लिए अलग में जनजातियों के खेल-कूद का आयोजन किया जाना चाहिए ताकि उनकी प्रतिभाओं को प्राप्त करके खेल-कूद के क्षेत्र में जो हमारी आज की स्थिति है उससे हम उभर सकें। तो मैं जानना चाहता हूं कि सरकार क्या उसके बारे में विचार करेगी, मंत्री जी यह बताने की कृपा करें?

श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा : जहां तक खर्चे का सवाल है एक बच्चे पर प्रतिवर्ष 25,000 रूपए खर्चा होता है। माननीय सदस्य ने पूछा कि खर्च संबंधी कितनी शिकायतें हमारे पास आई हैं, तो मैं उनसे कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई शिकायत हमारे पास नहीं आई है। अगर इनके पास ऐसी कोई शिकायत है कि ठीक ढंग से खर्चा नहीं हो रहा है तो वे मुझे बताएं, हम उसकी इंक्वायरी करवा सकते हैं।

जहां तक स्पेशल ऐरिया गेम स्कीम का सवाल है, ट्राईबल ऐरियाज और दूसरे ऐरियाज में से अभी तक 565 स्टूडेंट्स लिए गए हैं और उनका चयन करके इन स्कूलों में उनको दाखिल किया गया है।

SHRIMATI AMBKA SONI: Sir, the question of spotting talent between 9 and 12 years is not enough, no matter how many schools one opens, because this is part of a comprehensive scheme. The parents are very reluctant to let their children adopt sports as a career because they feel that, financially, it is not secure. I mean, if you start training the children from the age of nine to thirteen or fourteen years, they would give it up at a later date because their parents won't allow them to make sports a career, especially when one reads that sportsman have so many problems even to keep themselves going after a certain while. Sir, those who have been national heroes are in a state of penury, not being able to know whether their second meal is coming or not. Now, I want to know from the hon. Minister whether there is any scheme for having some kind of a nodal agency to look after these sports persons who have made the country proud, but have not been able to build alternative business for themselves, from their earnings as sports persons. This nodal agency could help such people either in the form of giving old age pension at comparable rates, or, providing other facilities, which would convince the parents that when they let their nine-year-old child takes up sports as a career, he will be financially secure, not only from his point of view, but from the point of view of his family also. Is there any fund allocated for the scheme'? At present, is there a nodal agency, or is the Government contemplating to have any such agency? How do you assure confidence in the family that its child will be a financial asset?

श्री सुख देव सिंह ढिंडसा : सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्या को बताना चाहता हूं कि हम एक नेशनल स्पोर्ट्स पालिसी बनाने जा रहे हैं और उसका खाका तैयार है। पहली नेशनल स्पोर्ट्स पालिसी 1984 में लागू की गई थी। जैसा कि आपने कहा, उसमें बहुत कमियां हैं। अब नयी पालिसी का विचार हो रहा है, और भी बहुत से सजेशंस आ रहे हैं। हो सकता है कि अगले सैशन में हम वह पालिसी तैयार करके सदन के सामने रखें और उसमें सभी प्रावधान किए जाएंगे। मैं माननीय सदस्या को बताना चाहता हूं कि अभी भी हमारे यहां यह स्कीम है कि जो स्पोर्टसपर्सन हैं, उनके लिए नौकरियों में स्पैशल कोटा रखे जाने या रिजर्वेशन के लिए पी. एस. यूज. को इंस्ट्रक्शंस हैं। इसी तरह बहुत से बैंकों में और

गवर्नमेंट अंडटेकिंग्ज में भी उनको नौकरियां दी गई है। प्राइवेट कंपनीज ने भी बहुत से खिलाड़ियों को स्पांसर किया है। वर्तमान व्यवस्था में जो कमियां है, हम नयी पालसी बनाते समय उनका ध्यान रखेंगे और जो कुछ अभी नहीं है, उसको नयी पालसी में शामिल करेंगे।

SHRIMATI AMBIKA SONI: Sir 1 asked about the nodal agency. People have past heir prime.

SHRI SUKHDEV SINGH DHINDSA : At present there is no nodal agency. We are creating a nodal agency under the new policy that we arc making.

श्री मोहम्मद सलीम : सभापति महोदय, यह स्कीम जिसके बारे में यहां सवाल उठाया गया है, यह मंत्री जी के बयान के मुताबिक 1985 में शुरू की गई थी और 9 से 12 साल तक के बच्चे, बच्चियों को ढूंढकर उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए शुरू की गई थी। मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या आपने इन 15 सालों में उसका कोई रिव्यू किया है, इसका कोई कास्ट बैनिफिट ऐनालिसिस किया है? कोई भी स्कीम जब बनती है तो उसको रिजल्ट ओरियेंटेड तो होना ही चाहिए। आपने कहा कि पहले 31 स्कूल थे, अब हम 57 स्कूल कर रहे हैं लेकिन आप जो 31 से 57 स्कूल करने जा रहे हैं, यह किस आधार पर करने जा रहे हैं? क्या नतीजा देखकर करने जा रहे हैं, किस कमेटी ने उसको रिव्यू किया है? डिपार्टमेंट के किन अफसरों ने इस स्कीम को रिव्यू किया है। महोदय, एच.आर.डी. की जो स्टैंडिंग कमेटी है, उस कमेटी ने ऐक्सीटेंसिवली इन तमाम स्कूल्स को देखा है। इन तमाम स्कूलों के बारे में जो आप कह रहे हैं, उन स्कूलों को देखा, साई को देखा और तमाम स्पोर्ट्समेन से बातें की और फिर उसके बाद कुछ सजेंशसं दिए। तो अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में हमारे हिन्दुस्तान के खेलकूद के बारे में 85 सजेंशंस दिए थे गिरती हुई स्थिति को रोकने के लिए। मैं मंत्री महोदय से इस सप्लीमेंट्री के साथ एक सप्लीमेंट्री यह भी पूछ रहा हूं कि क्या आपने उस रिपोर्ट को पढ़ा है तथा इस बारे में क्या चर्चा की गई है और यह बात आपके अफसर आपकी नजर में ले आए हैं कि इसमें यह खामी है और इसको इस तरह से दूर करना चाहिए ?

श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा : सर, नॉर्दर्न ईन्टर्न के लिए हमने एक टॉस्क फोर्स बनाई है, एम. ओ. एस. एच. उसके चेयरमेन हैं। राज्यों के जो स्पोर्ट्स मिनिस्टर हैं वे उसके मेम्बर हैं। यह

Dr. (SHRIMATI) JOYASREE GOSWAMI MAHANTA : Sir. 1 am happy that, under the scheme the North-East Sports Festival is organised to lap the hidden talent which is in abundance as stated by the hon. Minister. But. Sir. I want to know whether there is any special proposal for the youths of the North-East region, who are now busy with all the extremist activities. It is very important to sec that they get sonic special provision and a special scheme under the Talent Search Competition. I want to know whether there is any such provision in this Scheme.

टॉस्क फोर्स अभी बनी है तथा नार्थ-ईस्ट के लिए इसको तीन महीने में रिपोर्ट देनी है। गवर्नमेंट की वैसे भी पॉलिसी है कि टेन परसेंट आफ दी टोटल बजट नॉर्थ-ईस्ट के लिए ही रखा है और टॉस्क फोर्स जो रिकमंडेशन देगी उसके आधार पर हम आगे उस पर चलेंगे।

श्री सतीश प्रधान : धन्यवाद सभापति महोदय। मेरे क्वेश्चन के तीन पार्ट हैं, मैं बहुत संक्षेप में पूछूंगा। यह बहुत महत्वपूर्ण हैं सर। स्पोर्ट कल्चर निर्माण होने के लिए आपका डिपार्टमेंट क्या कर रहा है , यह मैं जानना चाहूंगा, क्योंकि जैसा आपने बताया कि बैंकों में या पब्लिक क्या कर रहा है, यह मैं जानना चाहूंगा, क्योंकि जैसा आपने बताया कि बैंकों में या पब्लिक अंडरटेंकिंग्स में स्पोर्टसमेंन के लिए विशेष जगह रखी हुई है , वन परसेट जगह रखी है। सर, साथ-साथ में फाइनेंस डिपार्टमेंट ने एक सर्क्यूलर निकाला है, मैं तीन-चार साल से लगातार इस पह बहस कर रहा हूं और सर्क्यूलर ऐसा है कि उनके टोटल रिक्रूटमेंट के ऊपर एक परसेंट। हर कम्पनी में उनकी टीम बनती है। जैसे हाकी की टीम है, फुटबॉल की टीम है, क्रिकेट की टीम है। टीम में कम से कम 11 लोग हो गए तथा चार या पांच एक्सट्रा होते हैं, तो टीम बनेगी। रिटायर्ड होते समय सब लोगों का, खिलाड़ियों का ऐज ग्रुप एक ही रहता है एप्रोक्सीमेंटली। तो एक ही समय पर उसमें आधे खिलाड़ी तो रिटायर हो जाते हैं और जब नया खिलाड़ी लेने का सवाल आता है तो एक परसेंट का बार लगाया जाता है और एक ही खिलाड़ी लेने के लिए बात की जाती है। बाकी लोगों को नहीं लिया जाता। इसका परिणाम यह हो रहा है कि जगह-जगह बैंकों की टीम जो कबड्डी की चलती थी, क्रिकेट की चलती थी, वहां अभी सीनियर होकर रिटायर्ड होने वाले खिलाड़ियों को खिलाना पडता है नहीं तो टीम गुम हो जाती है। तो ये परिस्थितियां निर्माण हो गई हैं। तो इस विषय पर सरकार का रूख क्या रहेगा, आप बताएं ?

दूसरी बात, हमारे यहां स्पोर्टस अथॉरिटी आफ इंडिया की तरफ से जगह-जगह पर स्कूल खोले गए वहां उनको ट्रेनिंग दी जाती है। यह अच्छा प्रोग्राम है। वहां पर लोगों को, खिलाड़ियों को जो खाना दिया जाता है, उस खाने की क्वालिटी को इन्सपैक्ट करने के लिए हमारे यहां ठीक ढंग से कोई प्रावधान नहीं है। यह मेरी जानकारी में है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि वहां पर खिलाड़ियों को जो फूड दिया जाता है उसकी क्वालिटी की जांच करने के लिए या अच्छा खाना मिलता है या नहीं, यह देखने के लिए, क्या आप वहां पर अपने अफसरों को नियुक्तर करेंगे जो हफ्ते में कम से कम एक बार वहां के खाने को चैक करें? आई.जी. स्टेडियम में हमारे खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के लिए रखा हुआ है, खासकर के आर्चरी के खिलाड़ियों को वहां पर रखा हुआ है, उनके लिए वहां पर आर्चरी की ट्रेनिंग की व्यवस्था नहीं है। उनकी वहां से दूसरे स्टेडियम में ट्रेनिंग के लिए भेजा जाता है क्योंकि आर्चरी का स्टेडियम अलग है। उनको आई.जी. स्टेडियम से वहां जाने के लिए डीटीसी की बस बच्चों को वहां से आने – जाने के लिए अलग से कोई दूसरा इंतजाम आप करोगे?

श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा : सर, जहां तक फूड की क्वालिटी का ताल्लुक है, वहां पर ट्रेनीज की भी कमेटी आफीसर्स के साथ होती है। वह कमेटी डे टू डे उसको चैक करती है। पिछले साल 1999 में 180 रुपये पर हैड खाने का किया है, उससे पहले यह बहुत कम था। उसके लिए हर रोज या हफ्ते में दो बार वह कमेटी जो ट्रेनीज की है और जिसके साथ आफीसर्स भी होते हैं, वे खाने को चैक करते हैं। फिर भी यदि कहीं हमें शिकायत मिलती है तो हमारे हाई आफीसर्स भी उसको जाकर चैक करते हैं। जहां तक आपने खिलाड़ियों के रिजर्वेशन के बारे में कहा है तो वह मिनीमम हैं। किसी भी पी.एस.यू. के लिए यह नहीं है कि वह 5 परसेंट नहीं कर सकता है, एक या दो परसेंट या तीन परसेंट जो मिनीमम है उतना तो उन्हें करना पड़ेगा। उसके ऊपर भी वे कर सकते हैं। इसकी कोई बंदिश नहीं है।.....

श्री सतीश प्रधान : सभापित महोदय मैं बताना चाहता हूं कि कई बैंकों की टीम, कई पब्लिक सैक्टर अंडरटेकिंग्स की टीम आज की तारीख में बंद हो चुकी हैं। यह हकीकत हैं। कई बैंक की कबड्डी और खो-खो की टीमें थीं वह बदं हो गई हैं। वहां पर नया रिक्रूटमेंट इस सरकुलर का हवाला देकर नहीं किया जाता है। क्रिकेट की टीम भी कई जगह पर बंद हो गई हैं, हाकी की टीम भी बंद हो गई है। यह पब्लिक सैक्टर अंडटेकिंग्स की वस्तुस्थिति है। मैं आदरणीय मंत्री जी को आपके माध्यम से बताना चाहता हूं और उनसे विनती करना चाहता हूं कि आप रेलवे से लेकर सभी पब्लिक सैक्टर अंडरटेकिंग्स की पूरी जानकारी लेकर के सदन में रखिए कि वहां की क्या हालत है, क्या परिस्थिति है, कौन-से ग्रुप ऐज के खिलाड़ी खेल रहे हैं। सर, वहां पर ऐसी परिस्थिति है कि वहां पर 35 साल से ऊपर की उम्र के खिलाड़ी खेल रहे हैं, जिनको पहले 18 साल की उम्र में खिलाड़ी के आधार पर बैंक ने नौकरी दी थी। वह आज नौकरी पर नहीं है। वे 35-36-40 साल का होने के बाद भी खो-खो खेल रहे हैं क्योंकि कोई और खिलाड़ी उनके पास नहीं होता है। 40 साल की उम्र के बाद आदमी दौड़ नहीं सकता है तो वह खो-खो कैसे खेलेगा ? यह परिस्थिति है। आदरणीय मंत्री जी आप अच्छा काम कर रहे हैं। क्या आप इस विषय पर सभी पब्लिक अंडरटेंकिग्स से जानकारी लेकर के सदन के सामने रखेंगे ?

श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा : सर, जहां तक आनरेबल मेम्बर ने कहा हैं – देखिए बहुत से पी. एस. यूज. हैं जिनकी अभी बहुत अच्छी टीमें हैं। कभी-कभी कोई नया एडमिनिस्ट्रेटर आता है जिसको शौक नहीं होता है वह कई दफा इसमें इन्टरेस्ट नहीं लेता है। लेकिन जिसको शौक होता है वह इसमें इन्टरेस्ट लेता है। जैसे अपनी एयर इंडिया की टीम है,इंडियन एअरलाइन्स की टीम हैं, पंजाब, एंड सिंध बैंक की टीम है, रेलवे की टीम है, सबकी अपनी टीम है, कभी कोई शिकायत नहीं आई है। अगर मेम्बर साहिबान को कोई शिकायत किसी बैंक से या किसी पी.एस.यूज से हैं, किसी की टीम बंद हुई है तो मैं उसकी सारी रिपोर्ट लेकर के सदन में रखूंगा। अगर किसी और

मेम्बर के पास भी ऐसी कोई शिकायत हो तो वह भी मुझे लिखित में दे दें मैं उन सबकी रिपोर्ट लेकर सदन के अगले सत्र में रख सकता हूं। ....

श्री सतीश प्रधान : बैंक आफॅ महाराष्ट्र की टीम बंद हो गई हैं, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया की टीम बंद हो गई है, एलआईसी की टीम बंद हो गई है। मैं कितने नाम आपको बताऊं।...(**व्यवधान**)...

श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा : आप लिस्ट भेज दीजिए। मैं देख लूंगा।

SHRI MAURICE KUJUR : Mr. Chairman. Sir, Sundergarh District in Orissa has produced national hockey players like Dilip Tirkey in the Senior Group and Lazarus Barla and Prabhodh Tirkey in the Junior Group. There are abundant talents among the tribals in the District for hockey. Two schools have been adopted by the Sports Authority of India long back in *1986* as sports schools. Through you. Sir, I would like to ask the Minister whether he will consider adopting more schools as sports school both for girls and boys, in this tribal-dominated district, under special area game scheme.

श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा : महोदय, जो भी स्कूल हम अडॉप्ट करते हैं, उनको स्टेट गवर्नमेंट रिकॅमेंड करके भेजती है। जो स्कूल्स कंडीशंस पूरी कर देते हैं, उनको अगर स्टेट गवर्नमेंट रिकॅमेंड, करके भेजेगी तो हम उन स्कूल्स को जरूर कंसीडर करेंगे।

श्री गांधी आजाद : महोदय, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अनुसूचित जनजातियों की तरह अनुसूचित जातियों के प्रतिभावान बच्चों को इस योजना में सम्मिलित किया जाता है या नहीं। यदि हां तो उसका ब्यौरा क्या है ? यदि नहीं तो क्यों?

श्री सुखदेव सिंह ढिंडसा : महोदय, मेरे ख्याल से माननीय सदस्य ने ठीक से जवाब नहीं पढ़ा है। उसमें मैंने कहा है कि हमारी स्पैशल स्कीम है जिसमें रूरल एरिया, ट्राइबल एरिया, हिली एरिया- इन सबको लेकर वहां से हम स्पैशल स्कीम चलाकर उनको लेते हैं। स्पोर्ट्स में किस जाति के व्यक्ति को लिया जाए – मेरे ख्याल से किसी भी जाति से अच्छा खिलाड़ी आ सकता है। इसलिए माननीय सदस्य को इसमें ऐतराज नहीं होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... हम इसको कर रहे हैं।

MR. CHAIRMAN : Next question.

*583. [The questioner (Shri Ghulam Nabi Azad) was absent for answer *vide* page 36 *infra]*